(xxi) Need to undertake extensive relief measures in drought-hit districts of Eastern Uttar Pradesh

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : मान्यवर, आपके माध्यम से मैं सिंचाई मंत्री का ध्यान देश के सूखा एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों की ओर ले जाना चाहता हूं। इन दिनों पूर्वी उत्तर प्रदेश में भयानक सूखा पड़ा हुआ है। खेतों में खड़ी फसलें पानी के अभाव में सूख रही हैं। मक्का, ज्वार, बाजरा की मुख्य फसलें पानी के अभाव में बर्बाद हो गई हैं।

सिंचाई के साधनों का बुरा हाल है। नलकूप और नहरों का होना न होना एक समान है। इस बात को कहने में कोई संकोच नहीं की राज सरकारों द्वारा लगाए गये नए नलकूप आज काम नहीं कर रहे हैं। किसी की मशीन खराब है तो किसी से पानी नहीं निकलता। बिजली सप्लाई के बारे में कहा जाता है कि किसानों को बिजली आठ घंटे मिलती है पर पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर ग्रामीण इलाकों में विगत दो माह से बिजली की आपूर्ति का औसत दो घंटे में भी कम रहा है। परिणामस्वरूप राजकीय ट्यूबवैल व निजी पंपिग सैट बेकार है। सिंचाई की कौन कहे पीने के पानी का भी अभाव है।

पशुओं के लिए चारे की समस्या है। हरा चारा ही नहीं, बल्कि भूसा भी नहीं है। आदमी और जानवर को जीवन गुजारे यह एक प्रश्न है। एक ओर मैदानों में तो पानी नहीं है, दूसरी ओर गंगा, गोमती, घाघरा, सई, तथा करुणा आदि नदियों में बाढ़ आई हुई है। नदियों के किनारे की फसलें पानी में डूब गई हैं। बाढ़ के पानी से मकान गिर रहे हैं। लोग शिविरों में रह रहे हैं। मौसम की इस विषतता से तरह-तरह की नई बीमारियां फैल गई हैं। बाढ़, सूखा और बीमारी से भीषण तबाही है। इतनी भयंकर समस्या कभी देखने में नहीं आई थी।

अतः ऐसी विकट परिस्थितियों में माननीय सिंचाई मंत्री से अनुरोध करूंगा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर आदि जिलों में सिंचाई के साधनों को शीघ्रातिशीघ्र ठीक किया जाय। राज्य सरकार को निर्देश दिए जाए कि किसानों के लगान की वसूली बन्द हो, और नये लगान माफ हों, छात्रों को पुस्तकीय तथा विशेष वित्तीय सहायता देकर उनकी फीस माफ की जाय। बाढ़ पीड़ितों को मकान बनाने के लिये अनुदान दिये जायें। प्रत्येक खंड विकास क्षेत्रों में गरीबों, मजदूरों को भुखमरी से बचाने के लिये टैस्ट वर्क चालू कराये जायें।

(xxii) Supply of banned and old stock of medicines by the World University Services Centre of Delhi University

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : मान्यवर, दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र World University Services (WHS) में ऐसी पुरानी दवाईयां दी जाती हैं जिनके उपयोग की तारीख वर्षों पहले खत्म हो चुकी होती है। एक डाक्टर ने इस खतरनाक स्थिति की ओर मुख्य चिकित्सा अधिकारी और चेयरमैन, मैनेजिंग कमेटी तथा कुलपति का ध्यान आकृष्ट किया लेकिन हालात में कोई परिवर्तन नहीं आया। विश्वविद्यालय की कर्मचारी यूनियन और विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद् के दो सदस्यों ने कुलपति को पत्र लिखकर जांच कराने की मांग की है। इस तरह की दवाइयां अन्य जगहों में भी

खुले आम बिक रही हैं। संसद में हम लोगों ने बार-बार मांग की है। लेकिन कोई कार्यवाही अभी तक नहीं की गई।

अत: सरकार से मांग है कि सरकार ऐक्सवायर्ड एवं बैन्ड (प्रतिबन्धित) दवाइयों पर रोक लगाये और बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें।

(xxiii) Need to issue commendrative stamps in the memory of Sant Godgebaba and Sant Kanwar Ram of Maharashtra

श्री मती ऊषा प्रकाश चौधरी (अमरावती) : मान्यवर, यह हमारे इतिहास और संस्कृति की विशेषता है कि हमारे देश में राजकीय, सामाजिक, आर्थिक आजादी के लिए साथ-साथ अभियान चला। इस देश में राजनीति और समाज नीति एक अविभाज्य अंग रहा है और उसके लिये हमारे धर्म प्रवर्तक, समाज सुधारकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। हमारा समाज और प्रजातन्त्र उन्हीं के प्रति ऋणी है।

ऐसे महान लोगों में से समाज परिवर्तन के अभियान में जिन्होंने अपना जीवन अर्पित कर दिया उनमें श्री संत गाडगे बाबा और संत कंवर राम जी भी थे। एक उपेक्षित पिछड़े हुए समाज में और बहुत ही गरीबी में संत गाडगे बाबा का जन्म हुआ था। एक गरीब और अनपढ़ व्यक्ति ने समाज चिंतन से शिक्षा का व्यसन मुक्ति तथा बुरी परम्पराओं से बाहर निकलने का महत्व जाना। उन्होंने पूरा जीवन भ्रमण करके समाज और देश की जन जागृति की। उन्होंने अज्ञान, रूढ़ी, परम्परा, कर्म के नाम पर शोषण व व्यसना शक्ति आदि से समाज को बाहर निकालने की कोशिश की। इस देश की जनता और खास कर के महाराष्ट्र जो उनकी जन्म भूमि भी रही है वहां वे श्रद्धा और प्रेरणा का स्थान बन चुके हैं।

वैसे ही संत कंवर राम जी का व्यक्तित्व रह चुका है। लोगों के सुख-दुख समझकर उसको दूर करने की एक सेवा भावी शिक्षा तथा अनुरोध इस महात्मा ने सबको दिया है। ऐसे आदर्श समाज में कायम रहे और उनको सम्मानित करें। यह हमारा फर्ज है। इस साल संत कंवर राम जी की जन्म शताब्दी है। कई वर्षों से संत गाडगेबाबा तथा संत कंवर राम की डाक टिकट प्रकाशित करके उस माध्यम से लोगों में उनका आदर तथा महत्व पहुंचाने की प्रभावी मांग सरकार से हो रही है। लेकिन हमें खेद है कि यह बात शासन के विचाराधीन है, लेकिन अब तक इन महात्माओं का डाक-टिकट प्रकाशित करने की घोषणा शासन ने नहीं की है।

इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि लोगों की भावनाओं को समझकर उक्त दोनों महान व्यक्तियों के डाक-टिकट प्रकाशित करें।

(xxiv) Need for additional funds to accelerate the construction of Mankhnrd-Belapur railway line in Maharashtra

SHRIMATI SHALINI V. PATIL (Sangli) : Sir, for the purpose of development of New Bombay and thereby bringing about decongestion of Bombay, the Government of India have sanctioned construction of Mankhurd-Belapur Railway lines at cost of about Rs. 76 crores.

The project has been included in the Railway budget in the year 1983-84 and a sum of Rs. 1 crore was provided for the same. During the year 1984-85,